हदें ठहराएँ, दिल न दुखाएँ

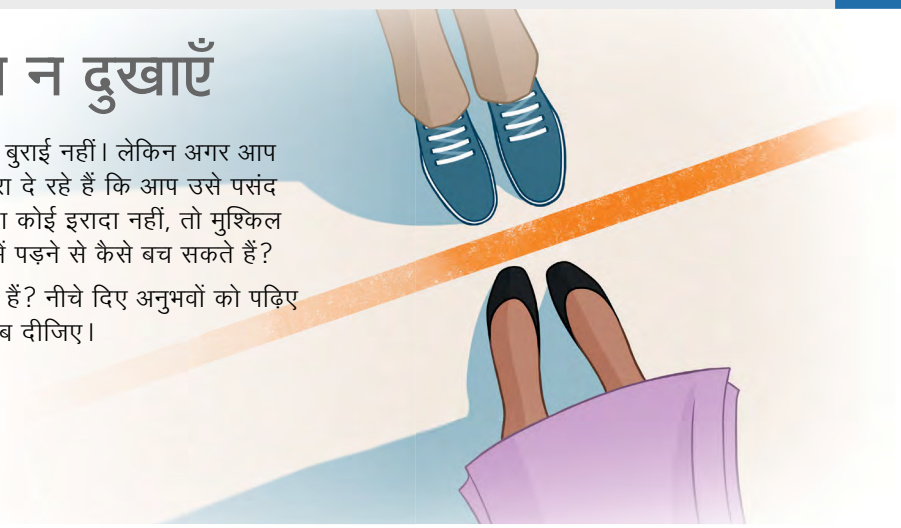

लड़कियों के साथ दोस्ती करने में कोई बुराई नहीं। लेकिन अगर आप अनजाने में किसी लड़की को यह इशारा दे रहे हैं कि आप उसे पसंद करते हैं जबकि डेटिंग करने का आपका कोई इरादा नहीं, तो मुश्किल खड़ी हो सकती है! आप इस मुश्किल में पड़ने से कैसे बच सकते हैं?

हद ठहराइए! आप यह कैसे कर सकते हैं? नीचे दिए अनुभवों को पढ़िए और जो सवाल दिए गए हैं उनका जवाब दीजिए।

सच्ची कहानी

"उसे लगा कि मैंने अपना इरादा बदल दिया है"

जेसन और एक लड़की एक-दूसरे के बहुत करीबी दोस्त थे। वह कहता है, "हम एक-दूसरे से कह चुके थे कि हम बस अच्छे दोस्त हैं और कुछ नहीं!" लेकिन जेसन जब देखो उस लड़की को मैसेज करता था और उसके साथ घूमना-फिरना चाहता था। मगर बाद में वह कबूल करता है, "गलती मेरी थी! मेरी इन हरकतों से उसे लगा कि मैंने अपना इरादा बदल दिया है और अब मैं उसे चाहने लगा हूँ।"

उन दोनों ने तो आपस में बात की थी कि वे सिर्फ एक-दूसरे के दोस्त हैं, तो फिर उस लड़की को क्यों लगा कि जेसन उसे चाहने लगा है?

जेसन अपने लिए कौन-सी हदें तय कर सकता था जिससे उनकी दोस्ती भी बनी रहती और वह उस लड़की के मन में यह गलतफहमी भी नहीं पैदा करता कि वह उससे प्यार करता है?

"अगर कोई लड़की सोशल नेटवर्क पर मेरी सारी फोटो 'लाइक' करने लगे तो मुझे तो यही लगेगा कि वह मुझे पसंद करती है।"—स्टीवन।

www.jw.org © 2016 Watch Tower Bible and Tract Society of Pennsylvania

सच्ची कहानी

“उसने कहा कि मैं उसके जज़बातों के साथ खेल रही थी”

अनैट कबूल करती है कि वह और एक लड़का “एक-दूसरे से कुछ ज़्यादा ही बातें करते थे। मुझे लगा कि वह मेरा अच्छा दोस्त है। हम एक-दूसरे के साथ बहुत वक्त बिताते थे, मगर मुझे उससे प्यार-व्यार नहीं था। मैं समझती थी कि उसे भी मुझसे प्यार नहीं है। लेकिन कुछ समय बाद उसने मुझसे कहा कि वह मुझे पसंद करता है। जब मैंने उसे बताया कि मैं उसे बस एक दोस्त समझती हूँ तो वह गुस्सा हो गया। उसने कहा कि मैं उसके जज़बातों के साथ खेल रही थी, वह भी जान-बूझकर!”

आपको क्या लगता है, क्या उस लड़के का यह महसूस करना सही था कि अनैट उसे चाहती है? अगर हाँ तो क्यों, अगर नहीं तो क्यों नहीं?

अनैट अपने लिए कौन-सी हदें ठहरा सकती थी जिससे यह नौबत ही नहीं आती?

“कहते हैं ना, ‘ताली एक हाथ से नहीं बजती।’ शायद आप किसी से इश्कबाज़ी न करें, लेकिन अगर आप किसी को हद-से-ज़्यादा अपने करीब आने की छूट दें, तो भी गलतफहमी हो सकती है।”—कैरन।

www.jw.org © 2016 Watch Tower Bible and Tract Society of Pennsylvania

सच्ची कहानी

“हम हमेशा साथ-साथ रहते थे”

रेचल को लगा कि वह लड़का उसे चाहता है। वह कहती है, “सब देख सकते थे कि हम हमेशा साथ-साथ रहते थे। एक बार तो उसने कई मिनटों तक मेरे कंधों पर हाथ रखा था। मुझे लगा कि वह मुझे पसंद करता है। मगर जब मैंने उससे पूछा कि हम दोनों के बीच क्या रिश्ता है तो उसने कहा कि वह मुझे सिर्फ एक दोस्त मानता है और कुछ नहीं!”

क्या रेचल के पास यह मानने का कोई वाजिब कारण था कि वह लड़का उसे चाहता है? अगर हाँ तो क्यों, अगर नहीं तो क्यों नहीं?

वह लड़का कौन-सी हद ठहरा सकता था ताकि उसकी दोस्त को यह गलतफहमी नहीं होती कि वह उसे चाहता है?

“मान लीजिए कि एक लड़का आपमें दिलचस्पी लेता है और आप फूले नहीं समाते। आपको अच्छा लगता है कि वह आप पर इतना ध्यान दे रहा है और आप उसे नहीं रोकते। लेकिन समझदारी इसी में है कि आप सिर्फ अपने बारे में न सोचें बल्कि उस लड़के के बारे में भी सोचें, वरना आप उसका दिल दुखा रहे होंगे।” —ब्रिटनी।

www.jw.org © 2016 Watch Tower Bible and Tract Society of Pennsylvania